आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 08.04.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टिहरी झील में आयोजित 25वीं ऑल इंडिया पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स क्लस्टर चैंपियनशिप का वर्चुअल शुभारंभ किया।
- स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले स्वास्थ्य सुविधाओं को समय से दुरुस्त करने के निर्देश दिए।
- अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, डॉ. वी. मुरूगेशन ने सत्यापन अभियान, महिला सुरक्षा और गुमशुदा बच्चों की बरामदगी पर सक्रियता बरतने पर विशेष जोर दिया।
- भाषा मंत्री खजान दास ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की। साहित्य संरक्षण के लिए नई योजनाएं बनाने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

<u>वाटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता</u>

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज टिहरी झील में आयोजित 25वीं ऑल इंडिया पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स क्लस्टर चैंपियनशिप का वर्चुअल शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान देश की सुरक्षा, कानून व्यवस्था और जनविश्वास को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनका शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहना अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वॉटर स्पोर्ट्स जैसे खेलों में दक्षता कई बार जीवन रक्षक साबित होती है और आपात परिस्थितियों में लोगों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के आयोजन राज्य के विकास, पर्यटन संवर्धन और खेल प्रतिभाओं के उन्नयन में सहायक सिद्ध होंगे।

इस प्रतियोगिता में देशभर की 19 टीमों के 440 से अधिक महिला और पुरुष खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जो कैनोइंग, रोइंग और कयाकिंग की विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे।

<u>स्वास्थ्य समीक्षा</u>

स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले स्वास्थ्य सुविधाओं को समय से दुरुस्त करने के निर्देश दिए। आगामी चारधाम यात्रा के मद्देनजर विधानभवन में विभाग की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी अस्पतालों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और व्यवस्थाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इस बार चारधाम यात्रा के साथ ही बदरीनाथ और केदारनाथ स्थित अस्पतालों का संचालन शुरू किया जाएगा। उन्होंने जांच केंद्रों की संख्या बढ़ाने और सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को अलर्ट मोड में कार्य करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मॉक अभ्यास

चारधाम यात्रा के दौरान आपदा से निपटने की तैयारियों को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से दस अप्रैल को संयुक्त रूप से मॉक अभ्यास आयोजित किया जाएगा। यह अभ्यास उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी, पौड़ी, देहरादून और हरिद्वार सहित सात जिलों में किया जाएगा, जिसका उद्देश्य विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को सुदृढ़ करना और तैयारियों का परीक्षण करना है।

कानून व्यवस्थ समीक्षा

अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, डॉ. वी. मुरूगेशन ने सत्यापन अभियान, महिला सुरक्षा और 'ऑपरेशन स्माइल' को लेकर कड़े निर्देश दिए। उन्होंने गुमशुदा महिलाओं और बच्चों की बरामदगी में संवेदनशीलता और सक्रियता बरतने पर विशेष जोर दिया। उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गढ़वाल और कुमाऊं रेंज के पुलिस महानिरीक्षकों और सभी जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक की गई। अपर पुलिस महानिदेशक ने आवासीय अपार्टमेंट और गेटेड कॉलोनियों का शत–प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करने तथा उल्लंघन पर वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही बाहरी राज्यों को भेजे गए सत्यापन प्रपत्रों का नियमित फॉलोअप रखने और इस प्रक्रिया को निरंतर अभियान के रूप में संचालित करने पर बल दिया। महिला सुरक्षा के संदर्भ में 'गौरा शक्ति मॉड्यूल' के व्यापक प्रचार–प्रसार और अधिकाधिक महिलाओं और बालिकाओं के पंजीकरण के निर्देश दिए गए। बैठक में महिला संबंधी शिकायतों के त्वरित और संवेदनशील निस्तारण तथा चिन्हित क्षेत्रों में 'महिला चीता पुलिस' की नियमित गश्त बढ़ाने को कहा गया। अपर पुलिस महानिदेशक ने 'ऑपरेशन स्माइल' के तहत गुमशुदा व्यक्तियों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की बरामदगी में जारी मानक संचालन प्रक्रिया का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कैबिनेट मंत्री

प्रदेश के भाषा मंत्री खजान दास ने विधानभवन में विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भाषा विभाग राजभाषा हिंदी के साथ–साथ उत्तराखंड की क्षेत्रीय बोलियों के संरक्षण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

साथ ही उर्दू और पंजाबी भाषाओं के संवर्धन और प्राचीन साहित्य के संरक्षण की दिशा में भी बेहतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने गढ़वाल, कुमाऊं और जौनसार बावर क्षेत्र की पारंपरिक लोक विधाओं के संरक्षण पर भी बल देते हुए अधिकारियों को संबंधित क्षेत्रों में जाकर मेलों और आयोजनों का स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही दीर्घकालीन साहित्यिक योगदान के लिए दिए जाने वाले साहित्यसेवी सम्मान को अधिक से अधिक पात्र साहित्यकारों तक पहुंचाने और भाषा संस्थान की साधारण सभा के गठन के लिए सभी जिलों से साहित्यकारों के नाम जल्द प्राप्त करने के निर्देश दिए।

स्थापना दिवस

भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून के 73वें स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान द्वारा अपने कार्यों, उपलब्धियों और जल एवं मृदा संरक्षण के क्षेत्र में किए गए योगदान को प्रदर्शित किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. एम. मधु ने मृदा एवं जल संरक्षण के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों और शोध कार्यों की जानकारी दी।

इस अवसर पर अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सारा कहकशां नसीम ने बताया कि सरकार की ओर से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अनेकों कार्य किये जा रहे है। उन्होंने बताया की भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान देहरादून के साथ मिलकर राज्य सरकार चमोली स्थित चंद्रभागा नदी के मैनेजमेंट प्लान बनने पर कार्य कर रही है।